

दैनिक भास्कर रांची, मंगलवार 16 जून, 2015 **5**

इवफाई विवि में पीएचडी कोर्स वर्क शुरू



रांची इवफाई विवि में सोमवार को पीएचडी के नए बैच के कोर्स वर्क सेशन का उद्घाटन हुआ। कोर्स में विभिन्न राज्यों के 20 स्टूडेंट्स ने नामांकन लिया है। उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. ओएस राव ने कहा कि पीएचडी में क्वालिटी एजुकेशन के कारण विभिन्न राज्यों के रिसर्च स्कॉलरों ने यहां एडमिशन लिया है। इवफाई विवि जीबी के सदस्य डॉ. केके नाग ने कहा कि रिसर्च स्कॉलरों की जिज्ञासा बच्चों की तरह होनी चाहिए। पूर्व वीसी डॉ. एए खान ने कहा कि किसी भी विवि को पहचान वहां होनेवाले रिसर्च से होती है। डॉ. बी प्रसाद ने कहा कि इवफाई विवि रिसर्च स्कॉलरों को बेहतर मंच प्रदान कर रहा है। रजिस्ट्रार डॉ. बीएम सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर फैक्टली व रिसर्च स्कॉलर मौजूद थे।

the pioneer capital 03
RANCHI | TUESDAY | JUNE 16, 2015

FINANCIAL SERVICES SEMINAR AT ICFAI VARSITY



Prime Minister's Financial Inclusion Initiative, coupled with the growth of Indian economy will fuel the growth of Banking Sector, which is expected to create 10 Lakh jobs in the next five years. In order to build awareness of this among the youth, the ICFAI University Jharkhand, will organize on 'Career Prospects in Banking and Financial Services Sector in the next 5 years' at its Daladai campus on Tuesday.

रांची LIVE सिटी

मंगलवार, 16 जून 2015

हिन्दुस्तान 19

संक्षेप

इवफाई में पीएचडी के नए बैच की शुरुआत



रांची: इवफाई विवि में पीएचडी के नए बैच की शुरुआत सोमवार को हुई। पाठ्यक्रम में 20 स्कॉलरों ने रांची के अलावा बैंगलूरु, जमशेदपुर, कोलकाता, पटना, पुणे, विश्वनगर जैसे विभिन्न स्थानों से प्रवेश लिया। रांची स्कॉलर अर्थात् कंपनियों में कार्यरत हैं। विवि के कुलपति प्रो. ओएस राव ने कहा कि पीएचडी पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक चलाने में हिन्दुस्तान से योग्य और अनुभवी पत्रकारों ने विवि के इस पाठ्यक्रम में शामिल होने का फैसला किया है।

03 हिन्दुस्तान
रांची • मंगलवार • 16 जून 2015

• आईसीएफआईआई युनिवर्सिटी का सम्मेलन, टलदाली पीक, रातु, 2 बजे

इक्फाई विवि : प्रबंधन में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू



संवादकर्ता

रांची: इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में पीएचडी पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है। सोमवार को पीएचडी पाठ्यक्रम के सत्र 2015-19 बैच के कोर्स वर्क सेशन का उद्घाटन किया गया।

इस पाठ्यक्रम में 20 स्कॉलरों ने रांची के अलावा बंगलुरु, जमशेदपुर, कोलकाता, पटना, पुणे, तिरुवनंतपुरम जैसे विभिन्न स्थानों से प्रवेश किया। ये सभी स्कॉलरों वर्तमान में बीएसएमएस, सेल, एक्सचेंज, सेंटाबोटा

अस्पताल, योडाफोन, फिंलैप्स जैसे कंपनियों में कार्यरत हैं तथा इसके अलावा आईएसएम, एलएन मिश्रा, एनआईसीएमआर जैसे प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों में कार्यरत हैं। मौके पर कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि विवि

के पीएचडी पाठ्यक्रम की गुणवत्ता का यह संकेत है कि देश भर से योग्य और अनुभवी पेशेवरों ने विश्वविद्यालय को इस पाठ्यक्रम में शामिल होने का फैसला लिया। प्रो राव ने कहा कि यहाँ पर यह गौर करने की बात है कि सभी स्कॉलर उद्योग तथा समाज के लिए प्राथमिक क्षेत्रों में अनुसंधान करने में कायरी भावुक होते हैं। मौके पर विवि के सदस्य बोर्ड ऑफ गवर्नेंस डॉ केके नाग ने स्कॉलरों को संबोधित करते हुए कहा कि ये कड़ी मेहनत करें जिससे नई ज्ञान की खोज हो।

रांची विवि के पूर्व कुलपति डॉ एए खान ने कहा कि वे अपने यात्री स्कॉलरों के विविधता को जानने के लिए एक दूसरे से प्रसार, विकास और समरूपता नए अंतर्दृष्टि लाएगा। कार्यक्रम में डॉ हरिहरण, डॉ एससी स्वैन, कुलसचिव डॉ बीएम सिंह समेत विवि के अन्य शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारी मौजूद थे।